दिनांक 4 फरवरी, 2019 को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किसान मेला के समापन समारोह अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु::

- किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीकों से अवगत कराने के लिए आयोजित इस तीन दिवसीय एग्रोटेक किसान मेला के समापन समारोह में आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।
- किसी भी कृषि विश्वविद्यालय अथवा कृषि अनुसंधान केन्द्र का दायित्व है कि वे कृषकों के हित की सोचे।
- वैज्ञानिक एवं शोधकर्ताओं को सदैव कृषकों के लाभ हेतु तत्पर तथा सक्रिय रहे। कहा गया है कि अन्नदाता सुखी भव:। इसलिए जब अन्नदाता सुखी होंगे तभी हम सभी भी सुखी रह सकेंगे।
- साथ ही वहाँ कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र की स्थापना एक सार्थक पहल कही जा सकती है।
- इस परिप्रेक्ष्य में आज राज्य के किसानों को बेहतर Agriculture, Dairy, Forestry तथा Agriculture आधारित लघु एवं कुटीर उद्योगों से संबंधित उत्तम तकनीकों की जानकारी देने के मकसद से बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसान मेला का आयोजन एक सराहनीय परंपरा एवं प्रयास है।
- हमारा झारखंड राज्य एक कृषि प्रधान राज्य है। यहाँ की 70% से अधिक आबादी गाँवों में निवास करती है एवं कृषि ही उनके आजीविका का मुख्य साधन है।

- यहाँ के किसान कड़ी मेहनत करते हैं, परन्तु किसानों को कभी-कभी उनके मेहनत का उचित फल नहीं मिल पाता, यह हम सबके लिए चिंता का विषय है।
- किसानों को उनकी फसल एवं उपज का उचित मूल्य मिले, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो, इस हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार प्रयत्नशील है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय दुगुनी करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।
- हमें एक-फसली तक सीमित न रहकर बहुफसली खेती की ओर ध्यान देना होगा। किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य हासिल करने के लिए राज्य को प्राथमिक कृषि से माध्यमिक कृषि की और बढ़ना होगा। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि राज्य में रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे।
- किसानों को Water Harvesting पर बल देना होगा तथा इसके प्रति जागरुक होकर इसे अपनाना होगा क्योंकि इससे सबसे अधिक फायदा किसानों को ही होगा। हमारा मकसद एवं सोच है कि हमारे किसान आत्मनिर्भर बने।
- इस मकसद को पाने के लिए हमारे कृषि वैज्ञानिकों को पूरी निष्ठा एवं लगन से काम करना होगा। उन्हें किसानों के बीच खेतों में जाना होगा तथा कौन-सा भू-भाग किस प्रकार की खेती एवं फसल के लिए बेहतर होगा, इसकी जानकारी किसानों को सुलभ करानी होगी, तभी Lab to Land का concept पूरी तरह से सफल होगा। हमारे कृषि वैज्ञानिकों

एवं विद्यार्थियों को सिर्फ प्रयोगशाला में ही अनुसंधान करने तक सीमित नहीं रहना है। उन्हें विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर किसानों के मध्य रहना होगा। वास्तविक प्रयोगशाला वहाँ है। आपको देखना है कि आपकी तकनीक से हमारे किसानों को कितना लाभ पहुँचा। इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण राज्य के विभिन्न ग्रामों को गोद लेने का कार्य करें। विदित हो कि जब तक हमारे गाँवों का पूरी तरह से विकास नहीं होगा, तब तक हमारा देश खुशहाल नहीं हो पायेगा।

- झारखंड राज्य की भूमि सब्जी पैदावार, वानिकी एवं फूल पैदावार की नज़रिये से भी अच्छी है। यहाँ के किसान इन सबकी खेती करें तो उन्हें अच्छी आमदनी हो सकती है। खुशी की बात है कि दलहन की अच्छी पैदावार के लिए राज्य को कई बार कृषि कर्मन पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।
- हमारे राज्य में मुर्गीपालन, मछलीपालन, बकरीपालन आदि के क्षेत्र में भी असीम संभावनायें हैं। जरूरत है कि लोगों को इसके प्रति भी जागरूक किया जाय।
- आशा है कि इस मेले के जरिये किसानों को तमाम तरह के वैज्ञानिक उपकरणों और विशेषज्ञों से रु-बरु होने का अवसर प्राप्त हुआ होगा। साथ ही इस मेले में किसानों को आपस में अच्छी पैदावार के लिए अपनाई गई तकनीक पर चर्चा करने का भी बेहतर सुलभ हुआ होगा।
- इस प्रकार के किसान मेला का आयोजन प्रखंड स्तर पर भी होना चाहिये। मैं सभी किसानों के बेहतर भविष्य की

कामना करती हूँ। उनकी उन्नति में ही राष्ट्र व राज्य की प्रगति निहित है।

जय हिन्द! जय झारखंड!

जय जवान! जय किसान! जय विज्ञान!